भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 149

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/09 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हिमाचल प्रदेश में हरित पर्यटन को बढ़ावा देना

149 डा. सिकंदर कुमारः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विशेष रूप से मनाली, शिमला एवं धर्मशाला जैसे पर्यटन स्थलों पर बड़े पैमाने पर पर्यटन से उत्पन्न पर्यावरणीय प्रभावों के प्रबंधन के लिए लागू की जा रही केंद्रीय योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) केंद्र सरकार द्वारा सांस्कृतिक पर्यटन तथा आध्यात्मिक परिपथों के वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावी विपणन हेतु किस प्रकार सहायता प्रदान की जाती है;

(ग) क्या हिमाचल प्रदेश में आपदा-तैयारी को सुदृढ़ करने तथा रोध क्षम पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु किसी केंद्रीय सहायता की योजना प्रस्तावित है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) राज्य के उभरते हुए पर्यटन स्थलों में सुदृढ़ डिजिटल अवसंरचना के विकास हेतु कौन-कौन सी पहलें की गई हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): देश में पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक योजनाओं के तहत पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके विकास संबंधी प्रयासों को संपूरित करता है। यह सहायता राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों से संबंधित योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति, संबंधित योजनाओं के तहत निधि की उपलब्धता आदि के आधार पर प्रदान की जाती है। मंत्रालय ने देश में स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से 'स्वदेश दर्शन' योजना को 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)' के नाम से नया रूप दिया है। स्वदेश दर्शन योजना के दिशानिर्देश भविष्य के विकास के मूल में स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन के विकास पर जोर देते हैं और सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को पर्यटन स्थलों के विकास के लिए परियोजनाएं तैयार करते समय स्थानीय समुदायों और हितधारकों के साथ उचित परामर्श सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करते हैं। पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को स्थायी पर्यटन उपायों के रूप में मौजूदा पर्यटन स्थलों पर

भीड़ कम करने के लिए वैकल्पिक पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने 'मिशन लाइफ' के तहत पर्यटन क्षेत्र के लिए 'ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफएल)' नामक एक कार्यक्रम की परिकल्पना की है, जिसका उद्देश्य स्थायी पर्यटन के बारे में जागरूकता पैदा करना और पर्यटकों तथा पर्यटन संबंधी व्यवसायों को प्रकृति के अनुरूप स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय भारत को पर्यटन उत्पादक बाजारों में एक पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है, ताकि सांस्कृतिक पर्यटन और आध्यात्मिक परिपथों सहित विभिन्न पर्यटन उत्पादों और स्थलों को बढ़ावा देकर वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। इन उद्देश्यों को एकीकृत विपणन और प्रचार कार्यनीति तथा यात्रा व्यापार, राज्य सरकारों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के सहयोग से चलाए जा रहे समन्वित अभियान के माध्यम से पूरा किया जाता है। प्रचार गतिविधियों में यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी; रोड शो, इंडिया इवनिंग, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन; भारतीय खाद्य और सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन और उनकी सहायता, टूर ऑपरेटरों को ब्रोशर सहायता प्रदान करना, वैश्विक मीडिया अभियान चलाना और एयरलाइंस, टूर ऑपरेटरों और अन्य संगठनों के साथ संयुक्त विज्ञापन/संयुक्त प्रचार आदि शामिल हैं। सरकार उद्योग के विशेषज्ञों और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ निरंतर संपर्क में रहती है और भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उनके सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त करती है।

(ग): एसडी 2.0 की योजनाओं में आपदा-प्रतिरोधी विशेषताएं भी शामिल हैं, जिनमें बेहतर पहुंच, जल निकासी प्रणाली, आपातकालीन वाहन खराबी के दौरान मरम्मत और ईंधन भरने की सुविधाओं सहित मार्गस्थ सुविधाएं, सूचनात्मक/दिशा-निर्देश वाले संकेतक, टेलीफोन बूथों के माध्यम से संचार में सुधार, मोबाइल सेवाएं और इंटरनेट कनेक्टिविटी, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, सीसीटीवी, अंतिम स्थान तक सड़क संपर्क, हेलीपैड और सुरक्षा संबंधी अवसंरचनाएं शामिल हैं।

(घ): मंत्रालय ने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और विविध आकर्षणों का पता लगाने में रुचि रखने वाले यात्रियों और हितधारकों के लिए एक व्यापक संसाधन के रूप में इनक्रेडिबल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म (आईआईडीपी) का नया संस्करण शुरू किया है। आईआईडीपी एक एआई-संचालित टूल का उपयोग करता है, जो वास्तविक समय में मौसम की जानकारी, शहर की खोज और आवश्यक यात्रा सेवाएं प्रदान करके आगंतुकों के अनुभव को व्यक्तिगत बनाता है। पोर्टल ने कई ऑनलाइन ट्रैवल एजेंटों (ओटीए) और हितधारकों के साथ भी साझेदारी की है ताकि उड़ानें, होटल, कैब, बसें और एएसआई स्मारकों के टिकट आसानी से बुक किए जा सकें।

****